हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 284 देहरादून, बृहस्पतिवार, 09 मई 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

सचिव दीपक कुमार पर्यटन, वन, जीविका और कृषि को लेकर गंभीर

3

जंगल की आग पर बबूला हुए सीएम धामी, नप गए लापरवाह

वनाग्नि पर रोक के लिए सचिवों को दी जाएगी जिम्मेदारी, सीएम ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में वनाग्नि को रोकने के लिए की जा रही कार्यवाही और आगामी मानसून सीजन के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा की। वनाग्नि को रोकने और जन जागरूकता के लिए मुख्यमंत्री फायर लाईन बनाने की कार्यवाही में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये वनाग्नि पर पूर्णतः रोकने के लिए सभी सचिव को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी जाय। सभी सचिव संबंधित जनपदों में जाकर वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करें और वनाग्नि को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठायें।

वनों से पिरूल एकत्रीकरण के लिए प्रभावी योजना बनाई जाय

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वनाग्नि को रोकने में लापरवाही बरतने वाले वन विभाग के 10 कार्मिकों को निलंबित किया गया है। अन्य कुछ कार्मिकों पर भी अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि पर प्रभावी रोकथाम के लिए जन सहयोग लिया जाए। जंगलों में आग लगाने की घटनाओं में जो भी लिप्त पाये जा रहे हैं, उन पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाय। वनाग्नि को रोकने के लिए रिस्पांस टाईम कम से कम किया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों से पिरूल एकत्रीकरण के लिए प्रभावी योजना बनाई जाय। पिरूल संग्रहण केन्द्र बनाए जाएं। इसमें सहकारिता विभाग का भी सहयोग लिया जाए। पिरूल एकत्रीकरण के लिए दी जाने वाली धनराशि को बढाई जाय।

मानसून से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए

आगामी मानसून सीजन की तैयारियों के संबंध में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून से पहले नालियों की सफाई, ड्रेजिंग और चैनलाईजेशन की कार्यवाही पूर्ण की जाय। नदी किनारे सुरक्षा दीवारों के निर्माण और मरम्मत के कार्य समय पर पूर्ण किये जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी पुराने ब्रिजों का सेफ्टी ऑडिट किया जाए। वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रों में वैली ब्रिज की पूर्ण व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी डैम की गहराई और क्षेत्रफल की वर्तमान स्थिति जानने के लिए संबंधित विभागों की एक कोर्डिनेशन कमेटी बनाई जाए। यह भी आकलन किया जाय कि डैम के बनने से वर्तमान समय तक डैम की गहराई और क्षेत्रफल की स्थिति क्या है।

प्रो एक्टिव एप्रोच से काम करें अधिकारी

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून सीजन शुरू होने से पहले डेंगू, मलेरिया और अन्य जल जनित रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता के साथ ही पूरी तैयारी की जाए। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाय। आपदा के

दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग की रैपिड एक्शन टीम तैयार रखी जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ कार्य करें। पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। स्वच्छ पेयजल के लिए पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं रखी जाय। जहां पेयजल की समस्या है वहाँ टैंकर और खच्चर से पीने के पानी की आपूर्ति की जाये । इसके लिए सभी कार्यदायी संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें।

चारधाम यात्रियों को मौसम अलर्ट की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य में चारधाम यात्रा के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रखी जाए। यह सुनिश्चित किया जाय कि मौसम की जानकारी से संबंधित अलर्ट एसएमएस के माध्यम से लोगों को मिले। चार धाम और मौसम से संबंधित अन्य सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाया जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी विभाग अपने स्तर पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीकि का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के दृष्टिगत संवेदनशील स्थलों और चारधाम यात्रा मार्गों पर जेसीबी की पर्याप्त व्यवस्था की जाय।

बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, अरविंद सिंह ह्यांकी, रंजीत सिन्हा, दिलीप जावलकर, विनय शंकर पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, एडीजी ए.पी अंशुमान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : 11 से 13 मई तक राज्य में बारिश का अलर्ट, मिलेगी गर्मी से राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : हरिद्वार को छोड़कर उत्तराखंड में लगभग सभी जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। इस हल्की-फुल्की बारिश से ही जंगलों में लगी आग से राहत मिलने की उम्मीद है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी भी हो सकती है। उत्तराखंड में मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार 12 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और 4000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की सम्भावना भी है तथा सभी जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का येलो अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम केंद्र देहरादून द्वारा चार धाम यात्रा में आने वाले यात्रियों को मौसम का अपडेट मुहैया कराया है जिसके तहत उत्तराखंड में 11 मई से मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि 11 से 13 मई तक राज्य में हल्की बारिश होने के आसार हैं और लेकिन उच्च हिमालय क्षेत्र में अच्छी बारिश होगी। 10 मई से चार धाम यात्रा शुरू हो रही है और दूसरी तरफ 11 मई से बारिश का सिलसिला प्रदेश में रहेगा। तापमान में गिरावट होने से ठंड बढ़ने के आसार हैं।

ऐसे में चारधाम यात्रा पर भी इसका असर पड़ेगा। देहरादून का अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पंतनगर का अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 28.4 और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रात में पैर धोकर सोने के हैं कई फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 मई : हममें से अधिकतर लोग दिनभर घर से बाहर ही गुज़ारते हैं, क्योंकि कुछ लोग ऑफिस के काम से बाहर रहते हैं ,तो कुछ लोगों को ट्रैवल करना होता है। ऐसे में जब तक हम शाम को घर पहुंचते हैं तब तक हम इतना थक जाते हैं कि ऐसा लगता है कि मानों तुरंत ही आराम किया जाए। ऐसे में फटाफट हम अपना फेस तो वॉश कर लेते हैं ,लेकिन जल्दबाज़ी में अपने पैरों को धोना अनदेखा कर देते हैं। जिससे जाने अनजाने कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेते हैं। क्या आप भी ऐसा ही करते हैं अगर आपका जवाब हैं हां, तो ये खबर आपके लिए है।

वो फायदे जो रात में पैर धोकर मिलते हैं feet washing benefits

-रात में पैरों को धोकर सोने से सबसे बड़ा फायदा ये कि आपको दिनभर की थकान से पलभर में निजात मिल जाती है और आप सुबह तरोताज़ा महसूस करते हैं ।

-अगर आप भी एंग्जायटी और दर्द कम को कम करना चाहते हैं तो एप्सम सॉल्ट का इस्तेमाल आप कर सकते हैं इसे पानी में मिलाकर इससे पैरों को साफ़ कीजिये। जिससे बॉडी जल्द ही रिलेक्स हो जाती है और आपको नींद अच्छी आती है ।

-अगर आपके पैरों की स्किन बहुत अधिक ड्राई है और आप रात में पैरों को अच्छी तरह साफ़ कर नहीं सोते हैं तो पसीने से पैरों में बैक्टीरिया फैलने का खतरा रहता है।

-रात में पैरों को अच्छी तरह धोकर साफ़ करें। इससे सुबह के वक्त आपके पैर साफ़ और मुलायम रहेंगे, और कुछ ही दिनों में अगर आपकी एड़ियां फटी हैं तो जल्द ही मुलायम बन जाएंगी।

-हो सकता है अगर दिनभर आपके पैर जूते में रहते हैं तो पैरों से बदबू आ सकती है। ऐसे में आप अपने पैरों को धोकर और अच्छी कंपनी की क्रीम से पैरों की मालिश करें जिससे आपके पैर साफ़ और मुलायम बन सकें ।

-लगातार दिनभर कम करने से हमारे शरीर की मांस पेशियों में दर्द भी रह सकता हैं। ऐसे में पैरों को साफ़ करके सोने से से शरीर को काफी आराम मिलता है।

पैरों को रात में साफ़ करके आप सोते हैं तो ये तमाम फायदे आपको मिल सकते हैं, आयुर्वेद में भी रात्रि में पैरों को साफ़ कर धोने के कई चमत्कारिक फायदे बताये गए हैं। उम्मीद है कि आप इन तमाम फायदों के बारे में जान गए होंगे।

सावधान! आपके शरीर से भी आती है पसीने की बदबू, इन बीमारियों का हो सकता है संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 मई : पसीना सबको आता है लेकिन हर किसी के पसीने से बदबू आए ये जरूरी नहीं. कई लोग पसीने की बदबू से परेशान रहते हैं. हालांकि खुशबू वाले साबुन से नहाने और परफ्यूम छिड़कने के बाद बदबू कम हो जाती है लेकिन कुछ लोगों के पसीने की बदबू नहाने के बाद भी नहीं जाती. पसीने की बदबू कई बार शर्मिंदगी का कारण बन जाती है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर पसीने की बदबू क्यों नहीं जाती. शरीर की बदबू स्किन पर बैक्टीरिया और पसीने के मिश्रण के कारण होती है. कई बार शरीर की बदबू हार्मोंस, खाने, इंफेक्शन, दवाओं और डायबिटीज जैसे स्थितियों के कारण बदल भी सकती है. ऐसे कई कारण हैं जो पसीने की बदबू को बढ़ावा दे सकते हैं चलिए जानते हैं इनके बारे में.

हार्मोंस चेंज

अत्यधिक पसीना आना और शरीर से बदबू आना हार्मोनल उतार-चढ़ाव के कारण हो सकता है. क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार शरीर से गंध तब आती है जब व्यक्ति किसी विशेष स्थिति में होता है. प्रेग्नेंसी, प्री मेनोपॉज या मेनोपॉज के दौरान हार्मोन और स्वेट ग्लैंड एक्टिविटी में वृद्धि के कारण पसीने में अधिक बदबू आती है. इस अवस्था में महिलाओं को हॉट फ्लैश और रात में पसीने का अनुभव होता है जो पसीने की बदबू को बढ़ा सकता है।

कोई बीमारी के कारण

अधिक पसीना आने के कारण शरीर से बदबू आने की आशंका बढ़ जाती है. पसीना कुछ चिकित्सीय स्थितियों और बीमारियों के कारण भी हो सकता है जैसे-डायबिटीज, मोटापा, थायराइड, किडनी डिजीज, इंफेक्शन और गाउट. यदि शरीर की बदबू में अचानक परिवर्तन महसूस करते हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

मसालेदार खाना

मसालेदार खाना, प्याज, लहसुन, शराब और कैफीन का अधिक सेवन भी पसीने की बदबू का कारण बन सकता है. शरीर में प्रोटीन बढ़ने से बदबू में भी वृद्धि हो सकती है.

अधिक स्ट्रेस लेना

उन लोगों के पसीने से अधिक बदबू आती है जो ज्यादा चिंता, घबराए हुए और तनावग्रस्त रहते हैं. यदि शरीर से अधिक बदबू आ रही है तो इसका मतलब है कि शरीर बहुत अधिक तनाव में है. शरीर में पसीना आना आम है लेकिन पसीने से अधिक बदबू आना किसी समस्या का कारण हो सकता है. अधिक पसीना या बदबू आने पर डॉक्टर से परामर्श करें।

टेंशन लेना भी जरूरी इससे इम्यूनिटी बढ़ती है, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 मई : भागदौड़ भरी जिंदगी में रोजमर्रा के छोटे-छोटे तनाव लेना अच्छा होता है। इससे दिमाग युवा बना रहता है और वृद्धावस्था बेहतर तरीके से गुजारने में मदद मिलती है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई है।

इससे पहले 1990 के दशक में इस तरह के तनाव को सेहत के लिए हानिकारक माना जाता था, लेकिन पहली बार फिरदौस डाभर नाम के एक अमेरिकी मनोचिकित्सक ने न्यूयॉर्क की रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च के साथ इस संबंध में स्टडी कीछोटे-छोटे तनाव हमारे इम्यून सिस्टम पर सकारात्मक असर डाल रहे हैं। आधुनिक दुनिया के लिए छोटे-छोटे तनाव बेहद जरूरी हैं। उदाहरण के तौर पर किसी एथलीट को आगामी दौड़ को लेकर थोड़ा तनाव होना जरूरी है। इससे हृदय और मांसपेशियों को मजबूती

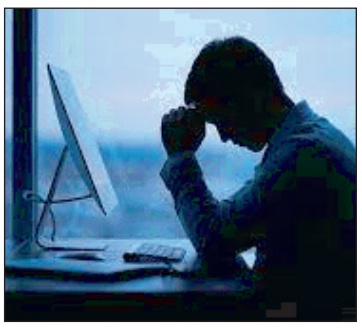

मिलती है और प्रदर्शन में सुधार आता है। हल्के शारीरिक व मानसिक तनाव दोनों से रक्त में इंटरल्यूकिन नामक रसायन बनता है। जो इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। दिमाग का आकार 40 साल के बाद एक दशक में लगभग 5% की दर से घटता है। 70 की उम्र के बाद गिरावट की दर बढ़ जाती है। दिमाग की यह सिकुड़न ऐसे बुजुर्ग में 4 साल तक कम हो जाती है जो नियमित व्यायाम करते हैं।

यहाँ हैं पत्थर के सैकड़ों रहस्यमयी टॉवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 मई : चीन में पत्थर के सैकड़ों रहस्यमयी टॉवर हैं, जिन्हें हिमालयन टॉवर ऑफ चाइना नाम से जाना जाता है. ये टॉवर्स सिचुआन प्रांत और तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र के पहाड़ों में स्थित हैं, जिनकी अजीबोगरीब डिजाइन हैरान करती है. इन टॉवर्स को किसने बनाया और इनका क्या यूज था, इस बारे में कोई नहीं जानता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी खोजकर्ता फ्रेडरिक डैरागोन ने सबसे पहले इन टावरों के बारे में दुनिया को बताया था. वह 1998 में स्नो लेपर्ड्स पर रिसर्च करने के लिए तिब्बत गई थी, तब उन्होंने इन रहस्यमयी टॉवरों को देखा था. इसके बाद, उन्होंने हिम तेंदुओं पर रिसर्च करने के बजाय अगले पांच साल तक इन टॉवर्स का अध्ययन करने में बिताए. डैरागोन ने इन टॉवर्स को गिना, इनकी मैपिंग की और तस्वीरें खीचीं. साथ ही ये भी पता लगाया कि ये टॉवर किससे बनने हुए थे. हालांकि, उन्हें ये जानकर आश्चर्य हुआ कि किसी को नहीं पता था कि इन्हें किसने और किस मकसद से बनाया था।

टावरों को बनाने में इस्तेमाल की गई लकड़ी की रेडियो कार्बन डेटिंग करके डैरागोन ने निर्धारित किया कि ये टावर 600 से 1,000 वर्ष पुराने हैं. उनका मानना है कि टॉवरों से कोई एक उद्देश्य पूरा नहीं होता था, लेकिन इसका उपयोग घाटी दर घाटी अलग-अलग था. इन टॉवर्स की डिजाइन अजीबोगरीब है, जो वर्गाकार, बहुभुज और तारे के आकार सहित विभिन्न आकारों में हैं, जिनको बनाने में कटे हुए पत्थर, ईंट, मोर्टार और लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है. ये टॉवर्स बड़े ही मजबूत बताए जाते हैं, इनको बड़ी ही सूझबूझ के साथ बनाया गया. तभी तो ये भूकंप के झटकों को भी अवशोषित करने में सक्षम हैं. पाए गए इन टॉवर्स की ऊंचाई 60 फीट से लेकर 200 फीट तक बताई गई है।

उत्तराखंड के 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ, बीएड की बाध्यता खत्म

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : राज्य सरकार के इस फैसले से लगभग 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को बेसिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं। बड़े लम्बे समय के बाद डीएलएड धारकों को सरकार ने ख़ुशख़बरी दे दी है। अब राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। क्यूंकि राज्य सरकार ने प्राथमिक शिक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन किया है जिसमें शिक्षकों की भर्ती के लिए बीएड की बाध्यता समाप्त कर दी है और दो वर्षीय डीएलएड को मंजूरी प्रदान की गई है। राज्य सरकार के इस फैसले से लगभग 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के वर्ष 2018 में जारी उस अधिसूचना को निरस्त कर दिया था जिसमें प्राथमिक शिक्षकों के लिये बीएड डिग्री की अनिवार्यता लागू की गई थी। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के अनुपालन में राज्य कैबिनेट ने हाल ही में राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली, 2012 में संशोधन को अपनी स्वीकृति प्रदान की। जिसके बाद शासन ने उत्तराखंड राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा (अध्यापक) (संशोधन) सेवा नियमावली, 2024 को जारी कर दी है। सरकार ने इस संशोधन के जरिए बेसिक शिक्षकों के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता बीएड डिग्री को अमान्य कर दिया है।

नियमावली के संशोधन के बाद अब राज्य में केवल डीएलएड डिग्री धारक ही पहली से पांचवीं कक्षा तक के बेसिक शिक्षक के पद के लिए पात्र होंगे। विभागीय मंत्री ने बताया कि प्रदेश में बेसिक शिक्षकों के लिए नई नियमावली के लागू होने से लगभग 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके लिए

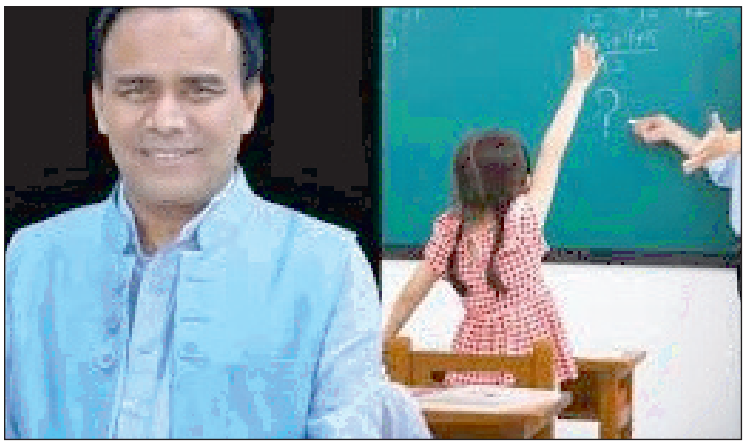

निर्वाचन आयोग से भर्ती की अनुमति प्राप्त करने के बाद शीघ्र ही उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को रिक्त पदों के अनुसार अधियाचन भेजा जाएगा।

सचिव दीपक कुमार पर्यटन, वन, जीविका और कृषि को लेकर गंभीर

- मुख्यमंत्री धामी का विज़न ही सर्वोच्च प्राथमिकता
- उधमसिंह नगर के सरकारी सिस्टम को टाइट किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर,9,मईरुद्रपुर विकास भवन के सभागार में उत्तराखंड शासन के कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के सचिव दीपक कुमार ने सभी विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए उत्तराखंड सरकार के विकास कार्यों को धरातल पर निश्चित समयावधि अवधि में उतार कर जनता को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए।

सचिव दीपक कुमार जनपद में मुख्यतया स्वयं सहायता समूहों और सरकार की पर्यटन योजनाओं को लेकर संवेदनशील नज़र आए.. इसके साथ ही उन्होंने जनपद के वन क्षेत्र में वनाग्नि के प्रति लोगों में जागरूकता का प्रचार प्रसार करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए ।समीक्षा के दौरान दीपक कुमार ने ग्राम विकास आजीविका मिशन, एन यू एल एम ,जल जीवन मिशन, सिंचाई लघु सिंचाई, होमस्टे स्वास्थ्य ,कृषि, मत्स्य पालन, राष्ट्रीय पोषण मिशन ,कृषि विकास मिशन, कृषि सिंचाई,फसल बीमा योजना, होम स्टे और मानसखंड माला पर कार्य प्रगति का ब्योरा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश देकर विकास कार्यों की समीक्षा ।दीपक कुमार ने जिलों की सड़कों को बारिश से पहले गड्ढा मुक्त करने और वनाग्नि सुरक्षा के साथ ही मानव वन्य जीव संघर्ष पर उचित कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।

सचिव दीपक कुमार ने स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की गुणवत्ता, पैकिंग के साथ ही विपणन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये ताकि समूहों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके । इसके लिए उन्होंने परियोजना निदेशक व सहायक परियोजना निदेशक व उप आयुक्त नगर निगम को समूहों का विश्लेषण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को वर्तमान में चल रहे तीनो कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए । उन्होने कहा कि सिंचाई विभाग सिंचाई हेतु बडे प्रस्ताव बनाने के साथ ही शहर का ड्रेनेज प्लान बनाकर शासन को प्रेषित करे। अधिशासी अभियंता ने बताया कि सिंचाई विभाग कार्यालय भवन का निर्माण कार्य दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जायेगासाथ ही बौर व हरिपुरा जलाशयों का पुनरूद्धार कार्य भी पूर्ण कर लिया जायेगा। अधि0 अभियंता लघु सिंचाई ने बताया कि उनके द्वारा नाबार्ड फंडिंग से जल संरक्षण हेतु 148 रिचार्ज शाफ्ट काशीपुर व जसपुर ब्लॉक में बनाये गये हैं साथ ही उन्होंने बताया कि 1500 वर्ग मीटर का तालाब भी जल संरक्षण हेतु बनाया जा रहा है जो ग्राम सभा को हस्तगत किया जायेगा . उन्होंने मत्स्य विभाग को लघु सिंचाई विभाग से सामंजस्य करते हुए उपरोक्त जलाशय में भी मछली पालन का कार्य आरंभ किए जाने के निर्देश दिए।

दीपक कुमार ने कृषि, सिंचाई, फसल बीमा योजना के साथ ही साइबर सुरक्षा हेतु जनजागरूकता, विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर शिविर का आयोजन कर जागरूक करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होने गेहूं कटान कर पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने काशीपुर एरोमा एवं ईएमसी पार्क के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिन कंपनियों द्वारा प्लाट लेकर अभी तक अपनी कम्पनी स्थापित नहीं किये गये हैं उनके प्रति कार्यवाही करने हेतु सुझाव शासन को प्रेषित करें।

सचिव दीपक कुमार ने पर्यटन अधिकारी को जनपद में होमस्टे योजना के अंतर्गत होमस्टे क्लस्टर बनाने के निर्देश देते हुए चालू वित्तीय वर्ष में 100 होमस्टे पंजीकृत करवाने का लक्ष्य भी दिया। साथ ही उन्होने वाटर स्पोर्ट्स को बढावा देने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होने जनपद में पर्यटन को बढावा देने हेतु मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पर्यटन,नगर निकाय, मत्स्य विभाग व सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सभी के आयुष्मान कार्ड बनाने , शिक्षा विभाग को सभी विद्यालयों में शौचालयों की साफ़ सफाई व कृषि विभाग को आर्गनिक कृषि के साथ ही गैर-परम्परागत कृषि को बढावा देने के निर्देश दिए व कृषकों की कार्यशाला आयोजित करने के भी निर्देश दिए ।उन्होंने मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए मत्स्य प्रजाति विविधिकरण को प्रोत्साहित करने के साथ ही सिंचाई विभाग के साथ समन्वयन करते हुए मत्स्य पालन करने व मत्स्य पालन संबंधी नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकी का विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में पीडी अजय सिंह, डीडीओ सुशील डोभाल, एपीडी संगीता आर्य, प्रभागीय वन अधिकारी यू.सी. तिवारी, सीओ निहारिका तोमर, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ0 ए.के. वर्मा, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार, उपायुक्त नगर निगम शिप्रा पाण्डे, अधीक्षण अभियंता पेयजल निगम मृदुला सिंह, डीएसटीओ नफील जमील, जिला शिक्षा अधिकारी डी सी राजपूत, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एनपीआरसी माजखेत में गुरु-शिष्य परंपरा निभाई

बागेश्वर। एनपीआरसी माजखेत में बुधवार को गुरु-शिष्य परंपरा निभाई गई। इस दौरान प्रावि माजखेत के छह पूर्व शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम इसी विद्यालय के छात्र व राइंका माजखेत के शिक्षक नवीन पाठक ने आयोजित किया। उन्होंने कहा कि बगैर गुरु के मंजिल नहीं मिल सकती है। आज वह जहां भी हैं इन्हीं गुरुओं से ज्ञान लेकर पहुंचे हैं। राइंका माजखेत में आयोजित कार्यक्रम में नवीन ने कहा कि पहाड़ शिक्षकों व सैनिकों की वजह से ही शुरू से आवाद रहा है। आज से 40 साल पहले शिक्षकों ने मीलों पैदल चलकर लोगों को ज्ञान दिया। उनके पढ़ाए बच्चे आज ऊंचे-ऊंचे पदों पर आसीन हैं। उन्होंने भी आज से 30 साल पहले राप्रावि माजखेत में पढ़ा। यहां से मिली शिक्षा से ही आज वह इसी गांव में राइंका में शिक्षक हैं। जिन शक्षकों ने उन्हें पढ़ाया वह 75 से 80 की उम्र तक पहुंच गए हैं। कई लोग बाहर बस गए हैं, लेकिन उनके एक आग्रह पर सभी शिक्षक गांव पहुंचे। उन्हें सम्मानित किया गया।

एनसीसी कैडेटों को दी कानून की जानकारी

बागेश्वर। जवाहर नवोदय विद्यालय सिमार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शिविर आयोजित किया। एनसीसी कैडेटों को विधिक जानकारी दी। उन्हें नशे से दूर रहने को कहा। साइबर क्राइम तथा इंटरनेट मीडिया फ्राड्स के बारे में जागरूक किया। जिला जज एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र दत्त के मार्गदर्शन में यह विधिक शिविर आयोजित किया गया। प्राधिकरण के सचिव जयेंद्र सिंह ने कहा कि एनसीसी कैडेट अनुशासनित होते हैं। वह भारत का गौरव भी हैं। विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, इंटरनेट मीडिया, फ्रांड, स्कैम तथा नशे से होने वाले दुष्प्रभाव बताए। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987, शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम, बाल विवाह, भारत का संविधान, किशोर न्याय बोर्ड (बालकों के संरक्षण) अधिनियम 2012, मोटर वाहन अधिनियम, निःशुल्क कानूनी सहायता, नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कानूनी सेवाएं) योजना, 2015 से संबंधसित विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर एनसीसी कैंप कमांडेंट कर्नल आरएस भंडारी, मोहन जोशी, प्रकाश कालाकोटी, एनएस रौतेला समेत 522 कैडेट उपस्थित थे।

नाबालिग ने गटका विषाक्त पदार्थ

चम्पावत। बनबसा में एक 17 वर्षीय नाबालिग ने अज्ञात कारणों के चलते बुधवार सुबह विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसका टनकपुर उपजिला अस्पताल में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार बनबसा शहर से लगे इलाके की एक नाबालिग लड़की ने अज्ञात कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिवार वाले बेटी को लेकर टनकपुर उपजिला अस्पताल पहुंचे। डॉ.आफताब आलम ने बताया कि नाबालिग ने जहरीला पदार्थ गटक लिया है। नाबालिग का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

स्कूल में परीक्षा के टॉपरों को किया सम्मानित

बागेश्वर। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज सनेती में बुधवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी के प्रोफसर व पचार गांव निवासी नवीन चंद्र लोनी ने अपने पिता की स्मृति में कक्षा छह से 12 तक के नौ छात्रों को एक-एक हजार रुपये की धनराशि भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपनी प्रकाशित पुस्तकें भी स्कूल को भेंट की। लोहनी ने कहा कि वह खुद भी इसी विद्यालय से पढ़कर आगे बढ़े हैं। आज उन्हें विद्यालय में आने पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करने को कहा। इस मौके पर शिक्षकों में प्रकाश पाठक, गोविदं सिंह नेगी, मनमोहन रावत, गोपाल वर्मा, दीप चंद्र लोहनी, सुनीता, दीपा, राजेश आर्या आदि मौजूद रहे। संचालन कैलाश पांडेय ने किया।

स्कूल में परीक्षा के टॉपरों को किया सम्मानित

बागेश्वर। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज सनेती में बुधवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी के प्रोफसर व पचार गांव निवासी नवीन चंद्र लोनी ने अपने पिता की स्मृति में कक्षा छह से 12 तक के नौ छात्रों को एक-एक हजार रुपये की धनराशि भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपनी प्रकाशित पुस्तकें भी स्कूल को भेंट की। लोहनी ने कहा कि वह खुद भी इसी विद्यालय से पढ़कर आगे बढ़े हैं। आज उन्हें विद्यालय में आने पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करने को कहा। इस मौके पर शिक्षकों में प्रकाश पाठक, गोविदं सिंह नेगी, मनमोहन रावत, गोपाल वर्मा, दीप चंद्र लोहनी, सुनीता, दीपा, राजेश आर्या आदि मौजूद रहे। संचालन कैलाश पांडेय ने किया।

वनाग्नि को लेकर निकाली जागरूकता रैली

बागेश्वर। बागेश्वर रेंज के अंतर्गत राइंका भटाखोला के छात्र-छात्राओं व एनसीसी कैडेटों ने वन विभाग के साथ बुधवार को ताकुला मार्ग पर जागरूकता रैली निकाली। लोगों को वनों के महत्व के बारे में बताया। जंगलों में आग नहीं लगाने की अपील की गई। रेंजर एसएस करायत ने कहा कि जब जंगल सुरक्षित रहेंगे तभी लोगों का जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

कोटद्वार : पिता का सपना किया पूरा, पहले ही प्रयास में PCS-J परीक्षा पास कर सृष्टि बनी जज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 09 मई : बचपन से ही स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में मेरा रुझान देखकर पापा ने मुझे लॉ के क्षेत्र में जाने की सलाह दी। उनका सपना था कि मैं एलएलबी करने के बाद जज बनूं और समाज के वंचित तबके को न्याय दिला सकूं। तैयारी के बीच में ही पापा इस दुनिया को अलविदा कह गए।

वर्तमान समय में किसी भी परीक्षा को पास करना मुश्किल तो है, लेकिन नामुमकिन नहीं इस बात को साबित करके दिखाया है कोटद्वार की सृष्टि ने। बचपन से ही इनका वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में रुझान था जिसे देखते हुए उनके पापा ने उन्हें लॉ के क्षेत्र में जाने की सलाह दी। उनका सपना था कि सृष्टि एलएलबी करने के बाद जज बने हुए समाज के वंचित तबके को न्याय दिलाना में मदद करे। लेकिन भगवान को शायद सृष्टि की सफलता के समय उनके पिता का साथ लिखना नहीं लिखा था इसलिए तैयारी के बीच में ही उनके पापा इस दुनिया को अलविदा कह गए।

लॉ कॉलेज में सिल्वर मेडलिस्ट रही हैं सृष्टिउत्तराखंड पीसीएस-जे की परीक्षा पास करके जज बनी सृष्टि ने परीक्षाफल आते ही अपने पापा को याद किया और कहा 'काश आज पापा होते तो, कितने खुश होते' आज जज बनकर उनका सपना पूरा कर दिया है। इस ख़ुशी के साथ उन्होंने नम आँखों से अपने पापा को याद किया। सृष्टि ने इलाहाबाद विवि से पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड बीए-एलएलबी 2022 में पूरा किया, इसमें इन्होने सिल्वर मेडल हासिल किया। वर्तमान में सृष्टि इलाहाबाद विवि से ही एलएलएम की पढ़ाई कर रही हैं। उनके पिता स्व. गोपाल कृष्ण बनियाल बीईएल हरिद्वार से सेवानिवृत्त हुए थे।

लक्ष्य बनाकर उसपर मेहनत करोसृष्टि का कहना है कि पीसीएस-जे परीक्षा मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं है। कानून के क्षेत्र में दिनोंदिन आ रहे नए बदलावों और अपडेट्स को लेकर जागरूक रहें। कानून की व्यवहारिकता को अपने जीवन से जोड़कर देखें कि कैसे रियल लाइफ में कानून काम करता है। अगर लक्ष्य बनाकर एकजुटता से तैयारी करोगे तो आपकी जीत तय है।

Dehradun Zoo : नंदनकानन से उत्तराखंड आएगा दुर्लभ सफेद बाघ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : उड़ीसा के नंदनकानन चिड़ियाघर से दुर्लभ नस्ल के सफेद बाघ को उत्तराखंड लाने की तैयारी है। उड़ीसा सरकार ने राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अब प्रदेश सरकार केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी के बाद सफेद बाघ को उत्तराखंड लाएगी।

सफेद बाघ को देहरादून के चिड़ियाघर में प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक डॉ. समीर सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। डॉ. सिन्हा के मुताबिक, उड़ीसा सरकार से देहरादून चिड़ियाघर में प्रदर्शन के लिए सफेद बाघ उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इस प्रस्ताव पर उड़ीसा के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।बताया, दुर्लभ सफेद बाघ के बदले में चार तेंदुए नंदनकानन चिड़ियाघर भेजे जाएंगे। दोनों राज्यों के बीच सहमति बनने के बाद अब केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस संबंध में देहरादून के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) को नंदनकानन चिड़ियाघर के उपनिदेशक के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सफेद बाघ को उत्तराखंड लाने और बदले में चार तेंदुओं को भेजने के लिए वन विभाग के अधिकारियों की एक टीम जल्द ही उड़ीसा जाएगी। टीम नंदनकानन चिड़ियाघर के अधिकारियों से सफेद बाघ को लाने से संबंधित प्रक्रिया के बारे में चर्चा करेगी।दुनियाभर में सिर्फ 200 सफेद बाघसफेद बाघ विलुप्त प्रायः वन्यजीव प्रजाति में शामिल है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनियाभर में सिर्फ 200 सफेद बाघ हैं। इनमें से करीब 100 बाघ भारत में हैं।

भारतीय नस्ल के सफेद बाघ को लेकर एक दिलचस्प कहानी है जो मध्यप्रदेश रीवा के महाराज मार्तंड सिंह और जोधपुर के राजा अजीत सिंह के साथ शिकार खेलने से जुड़ी है। कहा जाता है कि शिकार के दौरान एक गुफा में बाघिन के साथ तीन शावक दिखे, जिनमें से दो को मार डाला गया और तीसरा जो देखने में बेहद अनोखा था, उसे पकड़कर गोविंदगढ़ के किले में लाया गया। इसका नाम मोहन रखा गया। सफेद बाघों को इसी मोहन की संतानें माना जाता है।

दून में 19 मार्गों से कुछ दिन परहेज करना बेहतर, पुलिस की जनता से की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : दून की सड़कों पर ट्रैफिक जाम जनता की नियति बन चुका है। इस पर भी जब कहीं प्रमुख मार्गों पर निर्माण कार्य गतिमान होते हैं तो हालात और विकट हो जाते हैं। इन दिनों भी शहर के तमाम क्षेत्रों के हालात चुनौतीपूर्ण हो चुके हैं। लिहाजा, दून पुलिस ने निर्माण कार्य वाले 19 स्थलों/चौराहों/मार्गों की चिह्नित करते हुए नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। ताकि आवश्यक न होने पर इन मार्गों का प्रयोग न किया जाए। कहीं ऐसा न हो कि आप भारी जाम में फंस जाएं।

पुलिस की ओर से जारी की गई सलाह में कहा गया है कि शहर के तमाम इलाकों में लोनिवि, राजमार्ग खंड, पेयजल निगम/जल संस्थान, एनएचएआइ आदि एजेंसी पाइप लाइन बिछाने से लेकर नाली निर्माण, फुटपाथ निर्माण, पुलिया निर्माण, सीवर लाइन के चैंबर का निर्माण आदि कर रही हैं।

मुख्य मार्गों पर गतिमान इन कार्यों के कारण जाम लग रहा है। लिहाजा, यदि आवश्यक न हो तो इन स्थलों/मार्गों का प्रयोग न करें। जहां तक संभव हो, वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग किया जाए।

साथ ही जनता से अपील की गई है कि व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग किया जाए।

इन स्थलों से परहेज करने में ही भलाई

सर्वे चौक, कर्जन रोड तिराहा, सहस्त्रधारा क्रासिंग, आराघर चौक, डीएल चौक मार्ग, कर्जन रोड, आइटी पार्क क्षेत्र, एलआइसी बिल्डिंग मंडी, मोथरोवाला क्षेत्र, प्रिंस चौक, लक्खीबाग, सहारनपुर चौक, माता वाला बाग, घंटाघर चौक, पथरीबाग चौक, प्रगृति विहार, नालापानी चौक, सहस्त्रधारा रोड, आशारोड़ी आदि।

मोबाइल पर गेम खेलते-खेलते हुई दोस्ती, युवक से मिलने असम पहुंची दो सगी बहनें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 मई : उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बीते महीने यहां से दो सगी बहनें अचानक लापता हो गईं। परिजन परेशान थे, बच्चियों को कोई खबर नहीं मिल रही थी। नेहरू कॉलोनी में रहने वाले परिवार ने पुलिस में बेटियों के गुमशुदा होने की सूचना दी। अब पुलिस ने दोनों बहनों को असम से बरामद किया है। पूछताछ में युवतियों को लेकर हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। पता चला कि मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान बड़ी बहन की असम के एक युवक से दोस्ती हो गई थी। युवती उस युवक से मिलना चाहती थी, इसके लिए वो परिजनों को बिना बताए अपनी नाबालिग छोटी बहन को साथ लेकर असम पहुंच गई। परिजनों ने बेटियों के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल दोनों युवतियों की गुमशुदगी दर्ज की और युवतियों की बरामदगी के लिए टीम गठित की। टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से दोनों युवतियों के संबंध में जानकारी जुटाई तो पता चला कि दोनों बहनें असम में हैं। इसके बाद

तत्काल टीम को युवतियों की सकुशल बरामदगी के लिए असम रवाना किया गया। यहां दोनों बहनों को सिलीगुड़ी के होटल से सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि वो अपने मोबाइल पर लीजेंड गेम खेलती हैं। इस दौरान उनकी असम के युवक से फ्रेंडशिप हो गई। दोनों बहनें उससे मिलने गई थीं। बहरहाल पुलिस ने काउंसलिंग के बाद दोनों युवतियों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

केदारनाथ : BKTC का भक्तों को तोहफा, बढ़ेगा बाबा के दर्शनों का समय, हर दिन 13 से 15 घंटे देंगे दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 मई : चार धाम यात्रा के लिए बीते दिन तक कुल 7,24,154 यात्रियों के पंजीकरण आ चुके हैं। जिसे देखते हुए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने यह योजना बनाई है। प्रतिदिन 19 से 21 हजार तक श्रद्धालुओं को दर्शन कराने का लक्ष्य रखा गया है।

चार धाम यात्रा शुरू होने में सिर्फ 1 दिन शेष हैं इस बार श्रद्धालुओं का यात्रा करने के प्रति उत्साह इतना है कि पिछले वर्ष की तुलना में पंजीकरण की संख्या में इजाफा हुआ है। श्रद्धालुओं के भीड़ को ध्यान में रखते हुए इस बार केदारनाथ में एक घंटे में 1,400 श्रद्धालुओं को दर्शन कराए जाएंगे और कपाटोद्घाटन के दिन से मंदिर को 13 से 15 घंटे तक खुला रखा जाएगा जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग बाबा केदारनाथ के दर्शन कर सके। बीकेटीसी मंदिर समिति ने यात्राकाल के दर्शन की व्यवस्था रूट मैप तैयार कर लिया है।

मंदिर सुबह पांच से दोपहर दो बजे तक और उसके बाद शाम चार से छह बजे तक ही खुला रहता है और छह बजे बाबा की आरती के बाद श्रद्धालु बाहर से ही शृंगार दर्शन करते हैं व मंदिर में नहीं जा सकते। इस बार केदारनाथ के कपाट 10 मई को सुबह सात बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के सीईओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि पंजीकरण को देखते हुए लग रहा कि कपाटोद्घाटन से ही केदारनाथ धाम में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए एक दिन में 19 से 21 हजार तक श्रद्धालुओं को दर्शन कराने का प्रयास किया जाएगा।

Chardham Yatra 2024 : महिलाएं बचाएंगी जान, SDRF टीम में पहली बार 12 लेडी रेस्क्यूर शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 09 मई : इस वर्ष की चार धाम यात्रा में पुरुष रेस्क्यूअर के साथ-साथ 12 महिला रेस्क्यूअर को भी यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैयार किया गया है। इसके लिए इन सभी का 3 माह का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है अब यात्रा शुरू होते ही वे अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी।

उत्तराखंड में चार-धाम यात्रा शुरू होने जा रही है, हर वर्ष चारधाम यात्रा को सफल एवं सुगम बनाना SDRF की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। इसलिए इस बार चारधाम यात्रा मार्ग पर पहली बार 12 महिला रेस्क्यूअर की तैनाती की जा रही है। ये रेस्क्यूअर श्रद्धालुओं को रेस्क्यू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। एसडीआरएफ वाहिनी,जॉलीग्रांट में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त पुलिस के 53 जवानों का 84 दिवसीय बेसिक फर्स्ट रेस्पॉन्डर कोर्स का बीते दिन विधिवत समापन हुआ। सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आगामी चारधाम यात्रा को सफल बनाने के लिए पहली बार महिला रेस्क्यू टीम को भी विभिन्न पदों पर तैनात किया जा रहा है। इससे चारधाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को रेस्क्यू करने में मदद मिलेगी।

31 स्थानों पर SDRF की पोस्टिंग होंगीआगामी चार धाम यात्रा के दौरान 31 स्थानों पर एसडीआरएफ की पोस्टें स्थापित होंगी साथ ही नौ अतिरिक्त स्थानों पर भी एसडीआरएफ को तैनात किया जायेगा। समापन समारोह में, सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने प्रशिक्षण पूरा कर एसडीआरएफ में सम्मिलित होने वाले 53 पुलिस जवानों को बधाई दी। उन्होंने आगामी चारधाम यात्रा के लिए सेल्फ मोटिवेटेड रहने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि 3 महीने के प्रशिक्षण के दौरान सभी पुलिस जवानों ने हर रेस्क्यू ड्रिल में उच्च कोटि का प्रदर्शन किया है।

Chardham Yatra 2024 : चार धाम यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण शुरू, जानिए पूरी डिटेल्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 09 मई : प्रदेश में चार धाम यात्रा 10 मई से शुरू हो जाएगी, सरकार की तरफ से अब दोनों माध्यमों के जरिए पंजीकरण करने की सुविधा उपलब्ध है। जो श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, उन्हें ऑफलाइन पंजीकरण का लाभ मिलेगा।

उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने इस वर्ष के लिए चार धाम यात्रा की पूरी तैयारियां कर ली हैं और चारधाम यात्रा में तीर्थ दर्शन के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। 8 मई से हरिद्वार और ऋषिकेश में सुबह सात से शाम सात बजे तक ऑफलाइन पंजीकरण भी शुरू हो गए हैं। ऋषिकेश स्थित चार धाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में ऑफलाइन पंजीकरण के लिए छह काउंटर बनाए गए हैं वहीं हरिद्वार स्थित जिला पर्यटन कार्यालय में तीन पंजीकरण काउंटर तैयार किए गए हैं। एक दिन में एक धाम के लिए सिर्फ एक हजार तीर्थयात्रियों के पंजीकरण हो सकेंगे। केंद्रों पर पंजीकरण के लिए इंटरनेट सुविधा, लाइट, बिजली के साथ ही यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां, हवा और ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

यहां पर होगी पंजीकरण की चेकिंगबिना पंजीकरण के चार धाम यात्रा नहीं की जा सकती है इसलिए पंजीकरण अनिवार्य है। धामों में यात्रियों को अव्यवस्था से बचने और उनकी पूरी जानकारी रखने के लिए सरकार कई वर्षों से पंजीकरण करते आ रही है। ऑफलाइन पंजीकरण कराने के बाद यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के रजिस्ट्रेशन की चेकिंग भी होगी। इसके लिए गंगोत्री में हिना, यमुनोत्री में बड़कोट, केदारनाथ में सोनप्रयाग और बदरीनाथ धाम मार्ग पर पांडुकेश्वर में रजिस्ट्रेशन की जांच की जाएगी।

नौगांव में ओलावृष्टि से नकदी फसल तबाह

उत्तरकाशी। मंगलवार देर शाम यमुना घाटी क्षेत्र में जमकर ओलावृष्टि हुई। इससे नौगांव क्षेत्र में फसलों को खासा नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि के कारण भाटिया गांव सहित जरड़ा, कंसेरू, तुनालका में किसानों नगदी फसल सेब, नाशपाती सहित टमाटर और धान की क्यारियां को नुकसान पहुंचा है। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

नुकसान का आकलन करने पहुंचे प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में पांच फॉरेस्ट डिविजन में आग से हुए नुकसान के आकलन को बुधवार को प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्रा बड़कोट पहुंचे। अपर यमुना वन प्रभाग बड़कोट पहुंचे प्रमुख वन संरक्षक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देहरादून से बड़कोट तक केवल एक ही फॉरेस्ट फायर की घटना संज्ञान में आई है। उन्होंने कहा कि अपर यमुना वन प्रभाग में वनाग्नि की बहुत कम घटना हुई है। जिसका कारण यहां के स्थानीय लोग हैं, जिनकी जागरूकता के कारण वनों में आग नहीं लगी है। आग लगने का मुख्य कारण बारिश की कमी और मौसम परिवर्तन है।

रामलीला मैदान में पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी पर सवाल

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा शुरू होने में महज एक दिन का समय रह गया है। लेकिन गंगोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव स्थल उत्तरकाशी में यात्री वाहनों की पार्किंग सुविधा के नाम पर अव्यवस्था है। मैदान में अतिक्रमण है, साथ में पार्किंग के लिए इस बार भी टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। न ही अभी तक टैक्स के रूप में लिया जाने वाला वाहन पार्किंग शुल्क का बोर्ड लगा है। मैदान में वैकल्पिक पार्किंग के लिए पूर्व में टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाती थी, लेकिन पिछले दो वर्ष में नगरपालिका ने कोई टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई।

रेडक्रास संस्थापक को दी श्रद्धांजलि

कोटद्वार। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि हर साल आठ मई को अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसाइटी के संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट को उनकी जयंती पर याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास का आदर्श वाक्य मानवता के माध्यम से शांति तक, विश्व समुदाय को प्रेरित करता है। हमें पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। शिक्षक संजय कुमार ने कहा कि रेडक्रास के सात सिद्धान्त मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता है।

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पौड़ी पुलिस की कड़ी कार्रवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 09 मई : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु सड़कों पर अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों जिनकी वजह से यातायात बाधित हो रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।जिसके क्रम में यातायात पुलिस कोटद्वार व श्रीनगर द्वारा स्थाई व अनावश्यक रूप से नो पार्किंग में खड़े वाहनों जिनकी वजह से जाम की स्थिति पैदा हो रही थी व यातायात बाधित हो रहा था, उन वाहनों को क्रेन की मदद से सड़कों से हटाकर चालानी कार्यवाही की गयी। साथ ही निर्धारित पार्किंग में पार्क न किये जाने पर व अनावश्यक रूप से सड़को पर वाहन खडा करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

रुद्रपुर : बहन को मारकर खुद भी पंखे पर लटक गया भाई, दोनों शव कमरे से बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 09 मई : बहन को मारकर खुद भी पंखे पर लटक गया भाई, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा कि भाई ने पहले बहन का गला घोंटा और फिर बाद में खुद आत्महत्या कर ली। मूलरूप से ये बरेली के निवासी हैं और यहाँ पर सब्जी की ठेली लगाते थे।

रुद्रपुर से एक ऐसी दिल दहला देने वाली घटना सामने आ रही है जिसमें सगे भाई ने अपनी ही बहन को मौत के घाट उतार दिया और बाद में फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। मामला रुद्रपुर के सिंह कॉलोनी का है जहाँ पर दो भाई बहन किराये पर रहते थे। लेकिन बीते दिन अचानक दोनों के मौत की खबर मिली। पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव मामले का संज्ञान लिया और अब जाँच कर रही है।

सब्जी का ठेला लगाता था युवकमिली जानकारी के मुताबिक सुनील कुमार (23) निवासी ग्राम चंदूआ थाना हाफिजगंज बरेली अपनी बहन करिश्मा (19) निवासी ग्राम साहसिया बरेली के साथ सिंह कॉलोनी गली नंबर दस में तीन दिन से मोलक राम के घर

किराए के कमरे में रह रहा था और वो यहाँ पर सब्जी का ठेला लगाता था। बीती सुबह सुनील का रिश्तेदार अमरपाल सुनील के कमरे में आया लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने बहनोई रवि कुमार को बुलाया गया फिर दोनों ने जब दरवाजा तोड़ा तो तो अंदर सुनील का शव कमरे में पंखे पर लगाए रस्सी से लटका था जबकि करिश्मा का शव जमीन पर पड़ा था।

सालभर पहले हुई थी बहन की शादीएसएचओ धीरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया सुनील ने करिश्मा का गला घोंटा और फिर आत्महत्या की होगी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, करिश्मा ने एक साल पहले सुरेंद्र से लव मैरिज की थी और वह आठ दिन पहले ही रुद्रपुर आई थी, मृतक चार बहने और एक भाई था। सबसे बड़ी बहन संजू देवी विवाहिता और मृतका दूसरे नंबर की है।

पूर्व सैनिकों ने प्रेषित किए ज्ञापन

कोटद्वार। समिति अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत के नेतृत्व में पदाधिकारी तहसील में एकत्रित हुए। यहां उन्होंने कोटद्वार शहर को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि कोटद्वार में रेलवे स्टेशन से हनुमान मंदिर, झंडा चौक से गोखले मार्ग, मीट मार्केट से गैरेज मार्ग सहित सभी स्थानों पर सड़कों पर अतिक्रमण किया गया है। इस कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

छात्राओं को बांटी पाठ्य सामग्री

कोटद्वार। आर्य कन्या इंटर कॉलेज में बुधवार को उत्तराखंड लोक साहित्य और सांस्कृतिक मंच की ओर से जरूरतमंद 50 छात्राओं को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। मंच अध्यक्ष एसपी थपलियाल, प्रधानाचार्य रेनू गौड़ ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव पीएल खंतवाल ने कहा कि मंच लंबे समय से जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की मदद करता आ रहा है। इस दौरान बीबी ध्यानी, अजय पाल सिंह रावत, सरोज रावत, मनोहर नेगी, विजयपाल सिंह, जगदीश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव में 15 छात्र-छात्राओं का चयन

कोटद्वार। भाबर के झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट के लिए 62 छात्र-छात्राओं का पंजीकरण हुआ, जिसमें फार्मेसी के 15 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. पीएस राणा ने बताया कि विभिन्न नामी कम्पनियों को प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया जाता है।

कोटद्वार क्षेत्र में सिटी बस चलाने की मांग

कोटद्वार। ज्ञापन में कहा गया कि कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में लोगों की बसावट लगातार बढ़ती जा रही है। भाबर क्षेत्र से लोग अपने कामों के लिए मुख्य बाजार आवागमन करते हैं। मुख्य बाजार से लगे इलाकों से लोग सिडकुल स्थित औद्योगिक इकाइयों में कार्य करने जाते हैं। कई ऑटो चालक मनमानी करते हैं। ऐसे में कोटद्वार क्षेत्र में सिटी बस का संचालन किया जाना चाहिए।

पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं गुंडागांव कॉलोनी के तीस सौ परिवार

विकासनगर। तहसील क्षेत्र में त्यूणी बाजार के पास गुंडागांव कॉलोनी में 300 लोग पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने जलसंस्थान से तत्काल पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग उठाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले काफी समय से बरसात न होने के कारण पानी के स्रोत सूखने की कगार पर है। गुंडागांव कॉलोनी के 300 घरों के लिए जो मिनी ट्यूबवेल 2014-15 में लगाया गया था, भूजल स्तर नीचे पहुंचने के कारण पानी का डिस्चार्ज ट्यूबवेल से काफी कम हो गया है। इससे लोगों को पीने के लिए एवं घर में इस्तेमाल के लिए पर्याप्त पानी नहीं पा रहा है। उधर जलसंस्थान के अधिशासी अभियंता राजेश निर्वाल का कहना है कि जलजीवन मिशन के तहत नया प्रस्तावित ट्यूबवेल इसी महीने से कार्य करना शुरू कर देगा। इससे कॉलोनीवासियों के साथ ही अन्य लोगों की पेयजल समस्या दूर हो सकेगी। कहा कि त्यूणी में भी साहिया की तर्ज पर पानी बचाओ अभियान चलाने की आवश्यकता है।

संक्षप्ति खबरें

विधायक बृज भूषण गैरोला ने किया लच्छीवाला नेचर पार्क कानिरीक्षण

ऋषिकेश। लच्छीवाला नेचर पार्क का बुधवार को डोईवाला विधायक बृज भूषण गैरोला ने निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने वन विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त तरणताल को जल्द से जल्द दुरुस्त करने का निर्देश दिया। पुस्ता ढह गया था, जिसको लेकर डोईवाला विधायक बृज भूषण गैरोला बुधवार को नेचर पार्क पहुंचे और पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने वन अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुस्ते का काम सही से किया जाए, जिससे आगे कोई हादसा न हो। उन्होंने वन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जो भी व्यक्ति बोटिंग करता है, उसको लाइफ जैकेट पहनाई जाए। जिससे किसी के साथ कोई दुर्घटना न हो सके। कहा कि लच्छीवाला नेचर पार्क प्राकृतिक जगह है, जहां पर व्यक्ति को आकर अच्छा महसूस होता है। हम लगातार इस नेचर पार्क को और अच्छा बनाने के लिए काम कर रहे हैं। जल्द इसके सौंदर्यकरण का एक प्रस्ताव बना कर आगे और अधिक सुंदर बनाया जाएगा। मौके पर वन रेंजर घनानंद उनियाल, विक्रम सिंह नेगी, गीता सावन, मनमोहन नौटियाल, भारत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली फिल्म श्रीदेव सुमन देखी

ऋषिकेश। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास-विकास में बुधवार को छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली फिल्म पहाड़ी रत्न श्रीदेव सुमन देखी। वक्ताओं ने छात्रों को श्रीदेव सुमन की महानता के बारे में जानकारियां दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने प्रोजेक्टर स्क्रीन के माध्यम से उत्तराखंड के स्वतंत्रता सेनानी शहीद श्रीदेव सुमन के जीवन पर आधारित गढ़वाली फिल्म पहाड़ी रत्न श्रीदेव सुमन को देखा। प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने कहा कि फिल्म निर्माता विक्रम नेगी द्वारा बनाई इस गढ़वाली फिल्म में बेगारी प्रथा की स्पष्ट झलक दिखलाई गई है। श्रीदेव सुमन 28 वर्ष की अल्पायु में शहीद हो थे। वह एक कवि, लेखक और पत्रकार भी रहे और काफी दिन आगरा सेन्ट्रल जेल में कैदी रहे। ऐसी महान विभूति पर यह उत्कृष्ट गढ़वाली फिल्म बनी है। निश्चित रूप से श्रीदेव सुमन की शौर्य गाथा पर बनी यह फिल्म आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान विद्यालय में फिल्म निर्माता विक्रम नेगी पहाड़ी को सम्मानित किया गया। मौके पर नागेंद्र पोखरियाल, सतीश चौहान, कर्णपाल बिष्ट, यशोदा भारद्वाज, सचिदानंद नौटियाल, नरेंद्र खुराना, अनिल भंडारी, प्रवेश कुमार, संदीप कुमार, राजू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हरिद्वार में यात्रियों से अभद्रता की निंदा की

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी होटल एसोसिएशन से जुड़े व्यवसायियों ने हरिद्वार में ऑफलाइन पंजीकरण के दौरान यात्रियों से अभद्रता पर बुधवार को नाराजगी जताई। यात्रियों द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों पर एसोसिएशन ने इसकी कड़ी निंदा की। होटल एसोसिएशन अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा ने बताया कि हरिद्वार में खोले गए ऑफलाइन पंजीकरण कांउटर में दिन रात खड़े रहने से यात्रियों को भारी परेशानी हुई है। अव्यवस्था के बीच यात्री रोते बिलखते भी दिखे। कई यात्रियों ने मारपीट का आरोप भी लगाया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के साथ इस तरह के दुर्व्यवहार की घोर निंदा करते हैं।

गंगोत्री के लिए आज रवाना होगी मां गंगा की उत्सव डोली

उत्तरकाशी । गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश सेमवाल ने बताया कि मां गंगा की डोली अपने शीतकालीन प्रवास मुखीमठ (मुखबा) से आज गंगोत्री मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इससे पहले सुबह मां गंगा की पूजा-अर्चना होगा। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और आर्मी बैंड की धुन पर श्रद्धालुओं के साथ मां गंगा की उत्सव डोली वाना होगी। जो भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर में रात्रि विश्राम करने के बाद शुक्रवार सुबह गंगोत्री धाम पहुंचेगी। जहां गंगा पूजन, गंगा सहस्त्रनाम के साथ विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दोपहर 12:25 बजे गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे।

सुनवाई से गायब रहने पर ईई विद्युत को भेजा कड़ा पत्र

उत्तरकाशी। उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के न्यायिक सदस्य कीर्ति प्रसाद भट्ट की ओर से बुधवार को ऊर्जा निगम के ईई को पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया कि बड़कोट डिवीजन से संबंधित 12 वाद इस समय लंबित हैं, जिनके समाधान के लिए लगातार सुनवाई की जा रही है। पिछली दो सुनवाई से विभागीय अफसर अनुपस्थित चल रहे हैं। अधिशासी अभियंता को 27 मई की सुनवाई में संबंधित उपखंड अधिकारियों के साथ स्वयं उपस्थित होने को कहा।

नहर क्षतिग्रस्त होने से सिंचाई को परेशान ग्रामीण

उत्तरकाशी। पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई भारी बारिश के कारण डुंडा ब्लॉक के धनारी क्षेत्र की कुलेथ-मुसड़गांव-धारकोट नहर क्षतिग्रस्त हो गई थी। क्षेत्र के मुसड़गांव, बगसारी, भटवाड़ी, कुलेथ और धारकोट के ग्रामीणों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है।

मुख्य रावल ने मां गंगा व भगवान रघुनाथ से मंगलमय यात्रा की प्रार्थना

नई टिहरी। बदरीनाथ धाम के मुख्य रावल ईश्वरप्रसाद नम्बूदरी बुधवार को देवप्रयाग में संगम पर गंगा और भगवान श्रीरघुनाथ का पूजन कर सभी के लिए मंगलमय यात्रा की प्रार्थना की।मुख्य रावल ईश्वरप्रसाद नम्बूदरी बुधवार को केरल से बदरीनाथ धाम जाते हुए देवप्रयाग तीर्थ पहुंचे। 47 वर्षों बाद टिहरी राजदरबार की ओर से मुख्य रावल के रूप में उनका पट्टाभिषेक किये जाने पर बदरीनाथ तीर्थ पुरोहित समाज ने यहां उनका स्वागत किया। आगामी 12 मई को मुख्य रावल छह माह के बाद शुभ मुहूर्त में भगवान बदरीनाथ के कपाट खोलेंगे। परम्परानुसार मुख्य रावल ने इस बार भी भगवान बदरीनाथ के तीर्थपुरोहितों के स्थायी निवास देवप्रयाग तीर्थ में भागीरथी अलकनंदा संगम पर गंगा की पूजा अर्चना की और भगवान नारायण के अवतार श्री रघुनाथ का दर्शन पूजन किया। उन्होंने सभी की मंगलमय यात्रा की प्रार्थना की।

वायुसेना के हेलीकाप्टर ने अदवाणी व चौरकंडी के जंगलों में लगी आग को बुझाया

श्रीनगर गढ़वाल। पौड़ी जनपद के अदवाणी व चौरकंडी के जंगलों में लगी आग पर वायुसेना के एमआई 17 हेलीकॉप्टर ने बुधवार को 7 राउंड में 35 हजार लीटर पानी की सहायता से आग पर काबू पाया। बुधवार को तीसरे दिन वायुसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा जीवीके बैराज श्रीनगर से पानी को अपलिफ्ट कर पौड़ी विकासखंड के अदवाणी व विकासखंड खिर्सू के चौरकंडी के जंगलों में लगी आग को बुझाया गया।हेलीकॉप्टर ने अलकनंदा नदी से बांबी बैकेट में एक राउंड में पांच हजार लीटर पानी भरकर जंगलों और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में 7 राउंड लगाकर जंगलों में लगी आग को बुझाया।

चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए गंभीरता से करें कार्य : डीएम

श्रीनगर गढ़वाल। डीएम ने चारधाम यात्रा के लिए श्रीनगर में कंट्रोल रूम बनाने को कहा। पार्किंग स्थलों के पास मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था करने के आदेश दिए। भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में लोनिवि के अधिकारियों को चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। जिससे ट्रैफिक समय रहते वैकल्पिक मार्ग पर डाइवर्ट किया जा सके।

संपादकीय

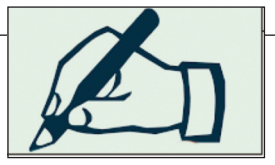

पैंतीस करोड़ का नौकर

झारखंड की बदकिस्मती है कि प्रकृति ने उसे खूब संसाधन दिए हैं, बेशकीमती खनिज दिए हैं, लेकिन फिर भी वह गरीब और भ्रष्ट है। दरअसल झारखंड का राजनीतिक नेतृत्व फितरत से ही भ्रष्ट रहा है। बेशक वह शिबू सोरेन हों, नरसिंह राव सरकार बचाने वाले सांसद हों, मुख्यमंत्री रहे मधु कौड़ा और कुछ माह पूर्व तक मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन हों, सभी दागदार और भ्रष्ट रहे हैं। जेल में भी रहे हैं। हेमंत सोरेन अब भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। कोई पर्यटन करने तो जेल में नहीं जाता! राजनेताओं के अलावा, आईएएस या अन्य शीर्ष अधिकारियों के घरों से भी करोड़ों की नकदी बरामद की गई है। उनके पास अकूत संपत्तियां भी मिली हैं, लिहाजा उन्हें जब्त किया गया है। कई ऐसे सफेदपोश चेहरे जेल की सलाखों के पीछे हैं। झारखंड में धीरज साहू जैसे कांग्रेसी और ओबीसी सांसद भी हैं, जिनके घर और अन्य ठिकानों से 350 करोड़ रुपए से अधिक के नकदी नोट बरामद किए गए। घर के कमरों में नोट ऐसे सजाए गए थे मानो नकदी का कोई शोरूम हो! काली कमाई के ये पहाड़ कैसे संजो लिए जाते हैं, आम आदमी के लिए यह आश्चर्य की मीनारें हैं। साहू जी आज भी सांसद हैं। ईडी ने क्या कार्रवाई की, सब कुछ रहस्य है, क्योंकि हमने ऐसे काले धन्नासेठ को जेल जाते हुए भी नहीं देखा। देश में काले, भ्रष्ट नकदी पहाड़ों के गोदाम भरे हुए हैं, प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कड़वा सच लगता है। देश के कई हिस्सों में ऐसे गोदामों को दबोचा गया है, अदालत में भी केस हैं, लेकिन आम आदमी न्याय का मारा है। बहरहाल ताजातरीन मामला झारखंड सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से परोक्ष रूप से जुड़ा है। उनके निजी सचिव के घरेलू नौकर के घर से 35 करोड़ रुपए से अधिक की 'काली कमाई' बरामद हुई है। आठवां आश्चर्य!!! एक नौकर स्तर का व्यक्ति कितना भी भ्रष्टाचार करे, लेकिन उसके घर बैगों में भरे करोड़ों के नोट बरामद नहीं किए जा सकते। यकीनन इस संदर्भ में उसे 'बलि का बकरा' बनाया गया है। तो फिर सवाल है कि काली कमाई के नोट किसके हैं? क्या नौकर का घर 'कलेक्शन सेंटर' बना था? ईडी के अफसरों को मंत्री के निजी सचिव पर तो शक था, लिहाजा नौकर का पीछा भी किया गया। अक्सर उसके हाथ में एक बैग होता था, लेकिन घर से बाहर आते हुए उसके हाथ खाली होते थे। अंततः ईडी ने छापेमारी की, तो नोटों से भरे बैग मिले और उसी के साथ भ्रष्टाचार का एक रहस्य खुला। सवाल मंत्री के कारनामों पर भी है, क्योंकि ईडी ने जिन इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की धरपकड़ की है, उनमें से कइयों ने मंत्री की संलिप्तता का भी खुलासा किया है। दलाली का एक खेल उस विभाग में खेला जा रहा था। ठेका देने के बदले 3 फीसदी की दलाली ली जाती थी। मंत्री और निजी सचिव की 'कटमनी' ज्यादा और अलग थी। अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर की बोलियां अलग से लगती थीं। यह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं, बल्कि आम आदमी से भ्रष्ट जमात ने जो भी लूटा है, उसकी पाई-पाई वापस वसूली जानी चाहिए। हम मानते हैं कि ईडी मंत्री पर साक्ष्यों और गवाहों के बिना हाथ नहीं डालेगा, लेकिन यह भ्रष्टाचार देश के कोने-कोने में कब तक जारी रहेगा। घूस और दलाली तो व्यवहार बन गए हैं। प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध दिखते हैं कि वह ऐसी एक भी पाई खाने नहीं देंगे। ऐसी चोरी बंद करके रहेंगे। भ्रष्ट लोगों की कमाई और लूट बंद करके रहेंगे, बेशक भ्रष्टाचारी उन्हें गालियां देते रहें। झारखंड पर 1.30 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। राज्य के नागरिक की औसत कमाई 7000 रुपए माहवार है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

हंस फाउंडेशन ने निकाली वनाग्नि रोकने को जागरूकता रैली

नई टिहरी। लगातार हो रही वनाग्नि की घटनाओं को देखते हुए द हंस फाउंडेशन ने बुधवार को थत्यूड बाजार में जन जागरूकता रैली निकाली। जिसमें राजकीय कन्या इंटर कॉलेज थत्यूड़ की छात्राओं ने शामिल होकर लोगों को वनाग्नि से होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि वनों की सुरक्षा का दायित्व केवल वन विभाग पर ही नहीं बल्कि आम जन पर भी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों को आग से बचाया जाए। जीजीआईसी की प्रधानाचार्य आरती चिटकारिया, वन क्षेत्राधिकारी देवलसारी रेंज लतिका उनियाल ने कहा कि इन दिनों चारों को वनों में आग लगी हुई है। जिस कारण पूरे उत्तराखंड में धुंध छाई हुई है। कहा कि वनाग्नि से जहां पर्यावरण दूषित हो रहा है। वहीं जल स्रोतों पर भी संकट आता है। साथ ही वन्य जीव जंतुओं को भी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि वनों को आग से बचाएं। यदि आग लगी है तो वन विभाग और हंस फाउंडेशन के फायर फाइटरों के साथ मिलकर बुझाने का प्रयास करें।

आधा दर्जन ब्लाकों में टैंकर से पानी की आपूर्ति की

नई टिहरी। बुधवार को भी नई टिहरी नगर के आधा दर्जन ब्लाकों में पानी न आने के चलते यहां पर पानी के टैंकरों से आपूर्ति की गई है। जल संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि प्रॉपर पंपिंग न होने के चलते यह दिक्कत आ रही है। व्यवस्था बनाने के लिए नगर को आठ जोनों में बांटने का काम किया गया है। नई टिहरी नगर के एल,जी,एच,जे, के और एम ब्लाक में प्रोपर पंपिंग न होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित रही।

घरेलु गैस के उपभोग पर रू 19400 का जुर्माना वसूला

नई टिहरी। चारधाम तैयारियों को लेकर बुधवार को मुख्य सड़क मार्गों पर सेफ्टी के साथ ही साफ-सफाई के कार्य जारी रहे। जबकि पूर्ति निरीक्षक लम्बगांव के नेतृत्व में होटल, ढाबों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर घरेलु गैस सिलेंडरों के प्रयोग पर 19 हजार 400 रूपये का जुर्माना वसूला। बुधवार को पूर्ति निरीक्षक लम्बगांव नरेश चौहान के नेतृत्व में लम्बगांव व प्रतापनगर क्षेत्रान्तर्गत होटल, ढाबों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग को रोकने को निरीक्षण करते हुए 13 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अवैध घरेलू सिलेण्डरों का प्रयोग किये जाने पर कुल 19 हजार 400 रूपये के जुर्माने की धनराशि वसूली गई। जिनमें 12 प्रतिष्ठानों से 15-15 सौ रूपये का जुर्माना तथा एक प्रतिष्ठान से 14 सौ का जुर्माना वसूल किया गया।

घनसाली के डॉ. गोविंद रावत को होम्योपैथिक रत्न अवार्ड

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक में निजी क्लिनिक संचालित करने वाले होम्योपैथिक चिकित्सक गोविंद रावत को अखिल भारतीय चिकित्सा एसोसिएशन दिल्ली की ओर से उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। बीते दिन एसोसिएशन की ओर से बैक्सन होम्योपैथी मेडिकल कालेज ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. गोविंद रावत को होम्योपैथिक रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए 150 होम्योपैथिक डॉक्टरों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए होम्योपैथिक रत्न अवार्ड प्रदान किया गया। डॉ. रावत की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

टैक्सी यूनियन श्रीनगर ने निर्णय के विरोध में जाम रखे पहिये

श्रीनगर गढ़वाल। कोतवाली श्रीनगर में बीते मंगलवार को हुई बैठक में लिए गये निर्णय के विरोध में बुधवार को टैक्सी यूनियन श्रीनगर ने सुबह वाहनों के पहिये जाम रखे। सुबह से ही श्रीनगर से श्रीकोट लोकल गाडियों के ना चलने से कार्यालय और स्कूलों को जाने वाले छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

संक्षप्ति खबरें

बिजली की आंखमिचोली से हुई परेशानी

पौड़ी। बुधवार को शहर में बिजली आने जाने का सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। जिससे सरकारी कार्यालयों के साथ ही बाजार में व्यापारियों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। ऊर्जा निगम की टीम लाइन को सुचारू करने में दिन भर जुटी रही। मंगलवार की देर शाम को शहर में अधड़ चलने से आकाशवाणी के समीप एलटी लाइन में पेड़ गिरने से तार टूट गई। जिससे बुधवार को दोपहर तक शहर के पूल्ड हाउस, आकाशवाणी, तहसील परिसर के साथ ही बाजार के कलक्ट्रेट परिसर, मालरोड, धारारोड, लोअर बाजार आदि मोहल्लों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित होती रही। ऊर्जा निगम के एसडीओ गोविंद सिंह रावत ने बताया कि मंगलवार रात को अंधड़ चलने से आकाशवाणी के समीप एलटी लाइन में पेड़ गिरने से तार टूट गई। निगम की टीम ने लाइन को दुरूस्त करने के लिए रांसी पावर हाउस से शटडाउन लिया। टीम तेजी से लाइन को ठीक करने का काम कर रही है।

जंगल की आग से बैंग्वाड़ी स्कूल को बचाया

पौड़ी। पौड़ी-श्रीनगर नेशनल हाईवे से सटे बैंग्वाड़ी के जंगलों में बुधवार को आग लगी रही। मंगलवार शाम को ही यहां भीषण आग लग गई थी। जिस पर मौके पर फायर बिग्रेड ने पहुंच कर कुछ आग को बुझा दिया था। इसके बाद दूसरे हिस्से में आग फैल गई। जंगल की आग से राजकीय उच्च प्राथिमक विद्यालय बैंग्वाड़ी के भवन को वन विभाग की टीम ने बचा लिया। रेंजर मनोज रावत की अगुवाई में वन कर्मियों के साथ ही राजस्व टीम भी मौके पर रही। यहां फायर लाइन काटते हुए जंगल की आग को स्कूल भवन के नजदीक नहीं आने दिया गया। इसके बाद आग बैंग्वाड़ी गांव जंगल के दूसरे हिस्से में फैली। बुधवार को भी यहां आस-पास के जंगल धू धू कर जलते रहे।

नाबालिग से दुराचार के दोषी को 20 साल की सजा

पौड़ी। विशेष सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत ने नाबालिग के साथ दुराचार के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई है। दोषी रिश्ते में नाबालिग के गांव का ताऊ लगता है। कोर्ट ने सजा के साथ 40 हजार का अर्थदंड लगाते हुए पीड़िता को 2 लाख का प्रतिकर देने के आदेश प्रदेश सरकार को दिए है। इस मामले में 24 अगस्त 2021 को थाना थलीसैंण में पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

पोखरी बैंड पर पेट्रोल पंप शिफ्ट

चमोली। जिला प्रशासन की पहल पर बुधवार को कुंड तिराहे पर स्थित पेट्रोल पंप को पोखरी बैंड पर शिफ्ट कर दिया गया है। इससे तीर्थयात्रियों को इस वर्ष यात्राकाल में गोपेश्वर पेट्रोल पंप तिराहे पर जाम का सामना नहीं करना होगा। साथ ही कलेक्ट्रेट और जिला अधिकारी कार्यालय तथा प्रशासन से जुड़े कार्यालयों तक भी वाहनों और पैदल चलने वालों को सहूलियत मिल सकेगी।

कला और नाटक के महत्तव की जानकारी दी

चमोली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में बीते दिन को शिक्षा में कला और नाटक का महत्व विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। बीएड विभाग और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में प्राचार्य प्रो. कुलदीप नेगी ने कहा कि व्यावसायिक क्षमताओं के विकास में इस तरह की कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रंगकर्मी विजय वशिष्ठ ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी विविध दृष्टिकोणों को स्वीकार करना, परिणामों पर बातचीत करना, संघर्षों को हल करना और जिम्मेदारी लेना सीखते हैं। बीएड विभागाध्यक्ष प्रो. स्वाति नेगी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से प्रशिक्षणार्थियों का सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है और छात्र यह भी सीखते हैं कि विभिन्न परिदृश्य में उचित प्रक्रिया कैसे दी जाए। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. विधि ढोंडियाल ने किया और संयोजन डॉ. हिमांशु बहुगुणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर भीम सिंह, मीनाक्षी, डॉ चंद्रावती जोशी, डॉ अखिलेश कुकरेती, डॉ ममता असवाल, डॉ. अखिल चमोली आदि उपस्थित रहे ।

कांग्रेस नेताओं का गांवों में जनसंवाद जारी

चमोली। जिला कांग्रेस की दशोली ब्लॉक कमेटी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को हरमनी के मजोठी सहित अन्य गांवों में पहुंच कर ग्रामीणों के साथ जन संवाद किया। मीडिया को बताया कि संगठन नेताओं ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया और कांग्रेस की नीति रीति ग्रामीणों को बताई। संवाद करने वालों में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द सिंह पंवार, दशोली ब्लाक अध्यक्ष गोविंद सिंह सजवांण, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला, पूर्व प्रमुख प्रकाश रावत आदि शामिल रहे।

बदरीविशाल के जयकारों के साथ गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा बदरीनाथ के लिए हुई रवाना

चमोली। तेल कलश गाडू घड़ा की शोभायात्रा बुधवार को डिम्मर गांव के लक्ष्मी नारायण मंदिर से बदरीनाथ के लिए रवाना हुई। इस दौरान सिमली बाजार, कर्णप्रयाग, लंगासू, नंदप्रयाग, मैठाणा और चमोली में भक्तों ने तेल कलश पर पुष्पवर्षा कर दर्शन किए। गाडू घड़ा की शोभायात्रा शाम को यात्रा पाखी गांव पहुंची। यात्रा 9 मई को जोशीमठ, 10 मई को पांडुकेश्वर, 11 मई को बदरीनाथ पहुंचेगी और 12 मई को शुभ मुहूर्त में भगवान के कपाट खुलने पर अभिषेक पूजा प्रारंभ होगी। बुधवार सुबह लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी मोहन प्रसाद डिमरी ने अभिषेक पूजा कर गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा को बदरीनाथ के लिए विदा किया। इस दौरान भक्तों ने पुष्प वर्षा कर जयकारे लगाए और भगवान बदरीविशाल से विश्व कल्याण की कामना की।

परीक्षा नियंत्रक ने किया महाविद्यालय निरीक्षण

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि के परीक्षा नियंत्रक ने बुधवार को धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था की जांच की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय प्रकाश श्रीवास्तव महाविद्यालय पहुंचे, इस दौरान बीकॉम, बीएससी, बीएससी गृह विज्ञान तृतीय वर्ष, बीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उत्तर पुस्तिकाओं में अपनी सूचना सावधानी पूर्वक भरने को कहा।

योजनाओं की जांच की हो

चमोली। थराली और देवाल क्षेत्र में जल निगम द्वारा बनाई गई योजनाओं में अनियमितता का आरोप लगाते हुए बुधवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से जांच की मांग की है। उपजिलाधिकारी थराली के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा गया है। ज्ञापन में गोपाल बनवासी सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि ग्वालदम, बैनोली, रुईसांण, तुंगेश्वर, हाट कल्याणी, तलौर, हरनी, देवाल बलाण सहित विभिन्न पेयजल योजनाओं के निर्माण में अनियमितता बरती गई है।

सगंध फसलें किसानों के लिए वरदान : राज्यपाल गुरमीत सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,9 ,मईसुगंधित पौधों के केंद्र यानी कि सेंटर फॉर एरोमेटिक प्लांट कैप, सेलाकुई के प्रयासों के जरिए उत्तराखंड के 24000 किसानों ने अपनी आर्थिक तरक्की का जो फार्मूला यहां से पाया है इसी उपलब्धि को देखने समझने के लिए उत्तराखंड के राज्यपाल रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने भ्रमण और निरीक्षण किया। संस्थान के वैज्ञानिकों ने भी रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्यक्रमों के बारे में राज्यपाल को इस भ्रमण के दौरान अवगत कराया।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि इस प्रकार के सुगंधित पौधों की खेती के लिए वरदान है राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि केंद्र के शोध कार्यों से नए वैज्ञानिकों को किसानों के लिए काम करने की विशेष प्रेरणा और दिशा मिल रही है.. जिससे यहां के किसान खुशहाल हो रहे हैं.. और साथ ही देश के परफ्यूम उद्योग के लिए उत्तराखंड एक बड़ा नाम बनकर उभर रहा है। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के संसाधन और जलवायु सुगंधित खेती करने के लिए बेहद फायदेमंद हैं उन्होंने कहा कि सेलाकुई के इस सगंध केंद्र पर आकर उत्तराखंड में सुगंधित फसलों की खेती के बारे में जानकर प्रदेश में एरोमा खेती की प्रगति के बारे में बहुत सी जानकारियां हासिल हुई है, जिससे वह आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि उत्तराखंड के किसान परफ्यूम जैसे उद्योग के क्षेत्र में एक बड़ा नाम स्थापित कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भौगोलिक दृष्टिकोण से वनस्पतियों और जड़ी बूटियां के लिए एक विशाल और अद्भुत समृद्ध क्षेत्र है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की किसान महिलाओं का खेती के क्षेत्र में खासा योगदान है, राज्यपाल ने कहा कि हमारे रिसर्च सेंटर में काम करने वाले नौजवान और बेटियां अपने शोध कार्यों से देवभूमि को प्रगति के रास्ते पर ले जा रही हैं और निश्चय ही आने वाली सदी उत्तराखंड की सदी होगी।

इस मौके पर न्यूज़ वायरस से बात करते हुए संस्थान के निदेशक डॉक्टर नृपेन्द्र चौहान ने बताया कि राज्य के 24000 किसान संस्थान से लाभ उठाकर विभिन्न प्रकार के सुगंध उद्योगों से जुड़े हैं जिनके कच्चे माल को आज कई कंपनियां खरीद रही है जिस कारण उनको अन्य पारंपरिक फसलों की अपेक्षा कम लागत में अधिक मूल्य प्राप्त हो रहा है। डॉ चौहान ने बताया कि पहाड़ी और वन क्षेत्र होने के कारण सुगंधित फसलें बेहद आसानी से यहां पर उगाई जा रही हैं और संस्थान इसके लिए समय-समय पर किसानों को उनके द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित करता है जिसमें प्रदेश भर के किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

सुगंधित तेल ,परफ्यूम टेलकम पाउडर, च्युइंग गम और मॉस्किटो रेपेलेंट में होता है उपयोग

वैज्ञानिक डॉक्टर ललित अग्रवाल ने विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सगंध पादप का यह संस्थान किसानों को निशुल्क प्रशिक्षण और पौध भी उपलब्ध कराता है, उन्होंने बताया कि सुगंधित फसलों पर किसान की लागत कम आती है और यह लगभग सभी प्रकार की मिट्टी और जलवायु में आसानी से पैदा हो जाती हैं .. संस्थान में विभिन्न प्रकार के सुगंधित पौधों पर शोध कार्य चलता रहता है,जिसमें मुख्यतया उत्तराखंड में सबसे ज्यादा लगाई जाने वाली फसल लेमनग्रास की किस्में है, इसके साथ ही पिपरमेंट की कई वैरायटियां संस्थान में मौजूद है ।

ललित अग्रवाल ने कहा कि संस्थान की सबसे रोचक फसल का नाम स्पिरमिंट है जिसका उपयोग च्यूइंगम के स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है और वहीं आज कल चीनी के उपयोग की बजाय लोगों में स्टीविया की खेती पर भी जोर दिया जा रहा है । वैज्ञानिक अग्रवाल ने कहा कि संस्थान आजकल विशेष रूप से तेजपत्ता और तिमूर की खेती पर विशेष रूप से अग्रसर है। डॉ ललित अग्रवाल ने बताया कि इन विभिन्न प्रकार की फसलों का सुगंधित तेल ,परफ्यूम टेलकम पाउडर, च्युइंग गम और मॉस्किटो रेपेलेंट में उपयोग होता है जिससे उत्तराखंड के किसानों की आर्थिक तरक्की का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। ललित अग्रवाल ने बताया कि इन विभिन्न प्रकार की फसलों का सुगंधित तेल ,परफ्यूम टेलकम पाउडर, च्युइंग गम और मॉस्किटो रेपेलेंट में उपयोग होता है जिससे उत्तराखंड के किसानों की आर्थिक तरक्की का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।

जागेश्वर धाम में खुदाई के दौरान निकला शिवलिंग, भक्तों की जुटी भीड़

अल्मोड़ा। जनपद के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में बुधवार सुबह खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिवलिंग मिलने से लोग अचंभित हो गए। कुछ ही समय में खबर पूरे इलाके में फैली तो दर्शन के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया। विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत इलुमिनेशन का काम चल रहा है, इसके लिए खुदाई की जा रही है। बुधवार सुबह श्रमिक खुदाई के काम में जुटे थे तभी धाम में जमीन के भीतर अद्भुत शिवलिंग मिला। श्रमिकों को जागेश्वर मंदिर के ठीक पीछे प्राचीन शिवलिंग नजर आया। कुछ ही देर में यह जानकारी पूरे क्षेत्र में फैल गई तो सैकड़ों भक्त शिवलिंग के दर्शन को धाम पहुंच गए। भक्तों ने रोली, चंदन और पुष्प अर्पित कर भगवान शिव का विधिवत पूजन किया और भोले के जयकारे लगाए। वहीं शिवलिंग मिलने पर कार्यदाई संस्थान ने इस स्थान पर खुदाई रोक दी है। अब आगे की खुदाई स्वयं पुरातत्व विभाग करेगा। एएसआई के मुताबिक शिवलिंग 14वीं शताब्दी के हैं, इन्हें सुरक्षित रखा जाएगा। जागेश्वर मंदिर समूह में भगवान शिव के करीब 108 मंदिर हैं। जागेश्वर से डेढ़ किमी दूर कोटेश्वर में कोटलिंग नामक स्थान पर पूर्व में भी खुदाई के दौरान कई शिवलिंग मिल चुके हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम भी कोटलिंग का सर्वे कर चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार धाम में खुदाई के दौरान 10 साल पूर्व भगवान विष्णु की मूर्ति भी मिल चुकी है। एएसआई ने इसे सुरक्षित तरीके से सहेजा है। दो दिन पूर्व खुदाई के दौरान धाम में एक ओखलीनुमा पत्थर भी मिला जो ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जागेश्वर धाम में इलुमिनेशन के कार्य के दौरान हुई खुदाई में दो शिवलिंग मिले हैं, इन्हें सुरक्षित रखा जाएगा। पहले भी खुदाई के दौरान कई मूर्तियां मिली हैं। शिवलिंग 14 वीं शताब्दी के हो सकते हैं।

शिक्षकों की नियुक्ति के लिए खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पिथौरागढ़। राजकीय जूनियर हाईस्कूल व प्राथमिक विद्यालय जजौली में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों ने कहा कि राजकीय जूनियर हाईस्कूल में 23 व राजकीय प्राथमिक विद्यालय जजौली में 15 बच्चे अध्ययनरत हैं। ये सभी बच्चे बीपीएल परिवार से हैं। पिछले छः माह से दोनों विद्यालयों में केवल एक ही शिक्षक पठन पाठन का कार्य करते हैं। इसके साथ ही अन्य कार्यों का जिम्मा भी इन्हीं के कंधों में है। जिससे बच्चों का पठन पाठन बाधित हो रहा है।

रक्तदान कर मनाया बेटे का जन्मदिवस

पिथौरागढ़। कटियानी क्षेत्र पंचायत सदस्य शंकर सिंह धामी ने बेटे के जन्मदिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान कर लोगों को जागरूक किया। बुधवार को क्षेत्र पंचायत सदस्य धामी ने पुत्र प्रियांशु धामी के 8वें जन्मदिवस पर जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में 15 यूनिट रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि बेटे की इच्छा थ कि उसका जन्मदिवस रक्तदान कर मनाया जाए। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वे भी रक्तदान कर दूसरों को प्रेरित करें। धामी ने बताया कि रक्तदान करने से इंसान शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। इस दौरान शंकर धामी, उत्तम धामी, मनोज धामी, रंजीत गोबाड़ी, मनोज ऐरी, कमल सिंह, पूरन धामी व शंकर वल्दिया ने भी रक्तदान किया। ब्लड बैंक के डॉ. नरेंद्र शर्मा ने रक्तदान करने वाले सभी व्यक्तियों का आभार प्रकट किया।

पिथौरागढ़ में गुमशुदाओं का भौतिक सत्यापन शुरू

पिथौरागढ़। जनपद में गुमशुदा लोगों की खोजबीन को पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को एसपी रेखा यादव ने बताया कि वर्तमान में गुमशुदाओं का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। टीम गुमशुदा लोगों के घर-घर जाकर उनके बारे में जानकारी एकत्र कर रही है।

सोर वैली पब्लिक स्कूल में हुई कार्यशाला

पिथौरागढ़। सोर वैली पब्लिक स्कूल में शिक्षकों की एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में लोहाघाट के पूर्व प्रधानाचार्य बीड़ी ओली ने शिक्षकों को बाल मनोविज्ञान व लर्निंग आउटकम्स पर जानकारी दी। विद्यालय प्रबंधक उमा पाठक ने कहा कि प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।इस दौरान 40 से अधिक शिक्षक मौजूद रहे। कार्यशाला में प्रधानाचार्या लीलावती जोशी, समन्वयक कुशल सिंह मौजूद रहे। संचालन मंजू रजवार ने किया।

उज्ज्वला पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया

पिथौरागढ़। नगर के उज्ज्वला पुनर्वास केंद्र का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निरीक्षण किया। बुधवार को सचिव व सीनियर सिविल जज विभा यादव जाखनी स्थित केंद्र पहुंची। इस दौरान उन्होंने निवासरत दस बालिकाओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं, दैनिक जीवन की गतविधियों की जानकारी ली।

संक्षप्ति खबरें

पार्टी की मजबूती को लेकर संगठन में दी जाएंगी जिम्मेदारियां: कलेर

अल्मोड़ा। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एस एस कलेर बुधवार को अल्मोड़ा पहुंचे। अल्मोड़ा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। एस एस कलेर ने कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक करते हुए संगठन के विस्तार पर चर्चा की और संगठन की मजबूती की बात करते हुए मौजूदा संगठन के पदाधिकारी को अहम जिम्मेदारियां सौंपी। वहीं मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का विजन एकदम क्लियर है कि उन्हें अपनी रणनीतियों को किस तरीके से धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव को लेकर पार्टी मजबूती से कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक अपने कार्यकर्ताओं की टीम बना रही है जिन्हें जल्द ही संगठन में नई जिम्मेदारियां दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आने वाले नगर निकाय के चुनाव में पूरे प्रदेश के सभी वार्ड पर चुनाव लड़ेगी। जिसके लिए उन्होंने अभी से तैयारी शुरू करते हुए पहले चरण में जिला अध्यक्ष और दूसरे चरण में विधानसभा अध्यक्ष बनेंगे, इसके बाद पूरा जोर बूथ स्तर पर होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी के सामने आम आदमी पार्टी का नया संगठन सामने आएगा जिसको लेकर बैठक लगातार जारी है। इस दौरान डी इस कौटिल्य, कुलवंत सिंह, श्रीकांत खंडेलवाल, चंद्र प्रकाश अधिकारी, जावेद, सिद्धार्थ जोशी, भुवन जोशी, दिनेश कुमार, मोहन सिंह देवड़ी, मनोज गुप्ता, नवीन चंद्र आर्य, आनंद सिंह बिष्ट, देव सिंह जोशी, प्रकाश चंद भट्ट आदि लोग मौजूद रहे।

नौ माह से गुमशुदा चल रहे युवक को पुलिस ने ढूंढा

अल्मोड़ा। नौ माह से गुमशुदा चल रहे युवक को धौलछीना पुलिस ने हल्द्वानी से सकुशल बरामद कर लिया है। बेटे से मिलकर परिजनों ने ख़ुशी व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यवाही को सराहा। गत वर्ष 26 दिसंबर को सेला, मनीआगर धौलछीना निवासी एक व्यक्ति द्वारा अपने पुत्र के लगभग 5 महीने पूर्व घर से चले जाने व वापस न आने के संबंध में तहरीर दी गई थी, जिस पर थाना धौलछीना में गुमशुदगी दर्ज की गई। एसएसपी अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर थानाध्यक्ष धौलछीना सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा की तलाश हेतु खोजबीन शुरु की गई। गुमशुदा युवक के पास कोई फोन आदि न होने के कारण लोकेशन का पता नहीं चल पा रहा था, पुलिस टीम ने सुरागरसी-पतारसी करते हुए जानकारी जुटाकर अथक प्रयासों से 07 मई को गुमशुदा युवक को हल्द्वानी से सकुशल बरामद किया। युवक ने बताया कि वह घर से निकलने के बाद वह डिब्रूगढ़, गुवाहाटी, असम चला गया था, किसी काम से हल्द्वानी आया था। युवक की काउंसलिंग कर भली-भांति समझाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। यहाँ पुलिस टीम में एएसआई जगदीश प्रसाद, एएसआई गोकुल प्रसाद, हेड कांस्टेबल कुन्दन लाल, कांस्टेबल अमित कुमार शामिल रहे।